अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 6 जुलाई 2026
आषाढ़ कृष्ण षष्ठी
विक्रम संवत 2083

PAGE NO, 09, TOP

विद्यार्थियों की पीड़ा प्रस्तुत कर गया नाटक धांधली

बरेली। रिद्धिमा सभागार में रविवार को नाटक 'धांधली' का मंचन किया गया। यह शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती अनियमितताओं और युवाओं के टूटते सपनों को उजागर कर गया।

नाटक की शुरुआत एक व्यंग्यात्मक राजनीतिक भाषण से होती है। इसमें परीक्षा व्यवस्था में व्याप्त बिसंगतियों पर तीखा कटाक्ष किया गया है। एक नेता परीक्षा पर चर्चा के दौरान कहते हैं कि परीक्षा चक्र देश की आर्थिक व्यवस्था को आगे बढ़ाता है। इसलिए परीक्षा होना और पुनः परीक्षा का होना देश की अर्थव्यवस्था के लिए उचित है। इसके बाद तीन दोस्त माधव, मोहन और रवीना एक चाय की दुकान पर नीट की तैयारी की बात करते हैं। कहानी तीन छात्रों के संघर्ष, सपनों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के इर्द-गिर्द घूमती है।

कह सकते हैं कि 'धांधली' केवल एक नाटक नहीं, बल्कि उन लाखों विद्यार्थियों की आवाज है जो अपने सपनों को सच करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। संवाद